





## संकल्प नये उत्तराखण्ड का

# राज्य स्थापना दिवस 9 नवम्बर की

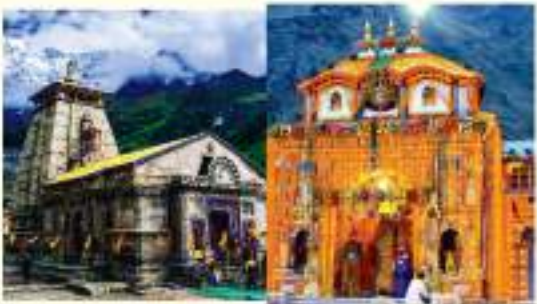
माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

**पुष्कर सिंह धामी** मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

## हार्दिक शुभकामनाएं

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा

**नरेन्द्र मोदी** प्रधानमंत्री



केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपये के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।



मानस खण्ड मंदिर माला मिशन।



4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।



मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।



पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को वेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।



**रेल कनेक्टिविटी** : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन।



**रोड कनेक्टिविटी** : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।



**रोप-वे कनेक्टिविटी** : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट - ट्रेमकुण्ड, सूरकण्डा देवी रोप-वे।



जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।



ग्लोबल इन्वेस्टर्स सनिट 2023 के लिये अब तक 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू।



एस.जी.एस.टी. संग्रह में 33 प्रतिशत वृद्धि, राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 12 प्रतिशत से अधिक वृद्धि।



राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन टोकने तथा रिटर्न पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरु, एरोमा पार्क व एरोमा वैली।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड राशि में बढ़ोतरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षेतिज आरक्षण।
- टीनटयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को ₹ 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण।
- स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चोलाई का उचित मूल्य पर क्रय।
- हॉटिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन"।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज।
- राज्य में निर्धन परिवारों को वर्ष में 3 सिलेन्डर निःशुल्क टीफिल की सुविधा।













# सच्चे मन से करनी चाहिए प्रभु की भक्ति: सुरेन्द्र खर्ब



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली के भलत्सा डेरी स्थित राजीव नगर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस



के पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र खर्ब के अलावा प्रमोद सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र खर्ब ने



अवश्य ही सुनते है। इसलिए सभी सच्चे मन से प्रभु की आराधना करें। इस मौके पर सन्त कुमार परिक्रित, प्रेमलता, गीता देवी, डॉ.



लता देवी, वेद प्रकाश चौहान, शिवयान, रघुवीर, अनिल कुमार, रिचपाल सिंह, शंकर लाल गुप्ता, रामवीर, दुर्गा पाल फौजी, रामवीर

## दिल्ली सरकार का निर्णय समय पर उठाया गया उचित कदम: वत्स

### वत्स ने कहा

8 समाजसेवी दयानन्द वत्स ने दिल्ली सरकार के निर्णय की सराहना की और कार्यों को भी सराहा।



पहले करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे छात्रों और शिक्षकों के हित में उठाया गया उचित और सराहनीय कदम बताया है। वत्स ने कहा है गैस चैंबर बनी दिल्ली में स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम लाखों अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर है।

## मानव सेवा संस्थान ने लगाया 71वां स्वास्थ्य शिविर



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली मानव सेवा संस्थान ट्रस्ट व श्री खादू श्याम आराधना मण्डल (द्वदशी वाले) के तत्वावधान में जेएमडी टैंट जापानी पार्क में 71वां मेडिकल कैम्प आयोजित



किया। जिसमें तमाम पदाधिकारी व अन्य लोगों ने भाग लिया। कैम्प में आये हुए भारी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस मौके पर मानव सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेन्द्र



यादव ने बताया कि यह हमारा 71वां निःशुल्क कैम्प था। हमारे संस्थान का प्रयास रहता है कि हम अधिक से अधिक शिविर लगाकर लोगों की मदद कर सकें। श्री यादव ने डाक्टरों का धन्यवाद भी किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर से लोगों को स्वास्थ्य की सेवाएं उनके घर के समीप ही मिल जाती हैं। इस मौके पर कई गणमान्य लोगों ने भी विचार रखे।

## दिल्ली में घोर प्रदूषण के कारण स्कूल बंद करने का आदेश दमघोट्ट है: जीएसटीए

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ दमघोट्ट प्रदूषण के कारण शिक्षा निदेशालय द्वारा स्कूल बंद करने के आदेशों की फेरिस्त में तीसरी किस्त के अनुसार नौ नवंबर से अठारह नवंबर तक कहने को नौ दिन के लिए सर्दियों की छुट्टियों के बदले स्कूल बंद करने का फरमान जारी किया है। राजकीय विद्यालय शिक्षा संचयन के महासचिव अजयवीर यादव ने इस आदेश पर ब्यान जारी करते हुए कहा की पिछले एक सप्ताह में तीन बार आंधे अधूरे आदेश दिये गए जिसमें प्रिंसिपल के स्तर से बच्चों



को बुलाने के लिखित आदेश दिये गए हैं। पीछे से जिला स्तर के अधिकारियों ने प्रिंसिपलों को फोन पर मौखिक आदेश देकर बच्चों को बुलाने के लिए बाध्य किया। अब नौ दिन की घोषित छुट्टियों में

पाँच दिन की दिवाली त्यौहार की छुट्टी है, बचे चार दिन तो उनके लिए शीतकालीन छुट्टियों का हवाला दे दिया। इस आदेश से ऐसा प्रतीत होता है की जैसे बच्चों ने बीस दिन छुट्टियों के लिए गुहार लगाई हो और विभाग ने चार दिन की छुट्टियों का ऐलान कर सर्दियों की छुट्टियों को साथ जोड़ दिया। यह आदेश सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। गौरतलब है कि यदि विगत पाँच वर्षों के रिकॉर्ड को देखा जाए तो सर्दियों की छुट्टियों को शीत लहर के चलते हर वर्ष एक एक सप्ताह बढ़ाया गया है।

## प्रदूषण से बचना है तो घर से बेवजह न निकलें बाहर: संगीता चौधरी



बताया कि पेड़-पौधे जहाँ एक ओर हमें शुद्ध हवा देते हैं वहीं इनसे हमें कई प्रकार की औषधियां भी प्राप्त होती है। इसलिए सभी पौधारोपण करें और पेड़-पौधे की रक्षा परिवार की लिए प्रेरित करें।

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली देश की राजधानी दिल्ली में सर्दी की शुरूआत अभी ठीक से नहीं हो पाई है, कि उससे पहले वायु प्रदूषण का स्तर बहुत खराब हो गया है। एक्वआई खराब होने से राजधानी में सुबह हो या शाम, घर से बाहर निकलना लोगों का मुश्किल हो गया है, खासकर बुजुर्ग और कम उम्र के बच्चों के लिए। जियो खुशहाल ह्यूमन राइट्स संस्था कि संस्थापिका संगीता चौधरी ने बताया कि दिल्ली में खराब वायु प्रदूषण की वजह से राजधानी के आम लोग ही नहीं बल्कि मॉनिंग वॉर्कर्स भी परेशान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सर्दियां अभी



शुरू भी नहीं हुई है, लेकिन प्रदूषण का स्तर पहले से काफी ज्यादा बढ़ गया है, इसका हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ है।

कैसे करें बचाव खिड़कियों और दरवाजों से जहरीले प्रदूषक धूल में प्रवेश कर जाते हैं, इसलिए इन्हें बंद रखें। इसके अलावा धूल में या घर की ज्यादा साफ-सफाई का काम करने से भी बचें। एअर प्यूरीफायर लगाएं: सांस से जुड़ी बीमारियों से परेशान लोगों को डॉक्टर घर में एयर प्यूरीफायर लगाने की सलाह देते हैं। प्यूरीफायर में कई तरह के फिल्टर होते हैं, जो अशुद्ध हवा को घर से बाहर निकालने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह जीवाणुओं को भी घर से बाहर निकालकर अंदर की हवा को शुद्ध बनाता है।

## वार्ड-62 में पार्कों की हालत खस्ता, जनता परेशान



टीम एक्शन इंडिया/ नई दिल्ली त्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 62 में स्थित निगम के कई पार्कों की हालत खस्ता है, जिसके चलते लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। वार्ड 62 के एम ब्लॉक के पास निगम के पार्क की हालत काफी खराब हो गई है, और स्थानीय लोग गंदगी से परेशान है।



आलम यह है कि पार्क में जगह-जगह गंदगी का अंबार है। कई बार इलाके के लोग सफाई को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं, बावजूद इसके स्थानीय निगम पार्श्व किशन बैमाड व निगम के अधिकारी इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं। क्या कहते हैं स्थानीय निवासी: स्थानीय निवासी दीपक ने बताया

## पर्यावरण बचाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें पौधारोपण: राजेंद्र यादव



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली जैसे-जैसे हम विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं और विकास के नाम पेड़ पौधों को तेजी से काटा जा रहा है, जिसके चलते आक्सीजन की समस्या से प्रत्येक व्यक्ति को जूझना पड़ रहा है। इसका एक मात्र स्थाई उपाय पौधारोपण करना है, प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने और इसकी देखभाल भी अपनी संतान की भांती करनी चाहिए। राजेंद्र यादव ने बताया कि पौधारोपण से पर्यावरण साफ, स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ-साथ यह हमारे लिए कई प्रकार से लाभकारी सिद्ध होता है। पर्यावरण संरक्षण का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति



का है। हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है, और हमारे द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी को मिलेगा।

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी हैं। ये हमें जीवन के लिए आक्सीजन, खाने के लिए फल और गर्मी में छांव देते हैं। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधारोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। पौधारोपण सबकी जिम्मेदारी है। हम सबको अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ है तभी जीवन स्वस्थ है। पौधे जब बड़े होते हैं तो यह हमें फल, फूल व छाया सहित जीवन जीने के लिए आक्सीजन देते हैं, इसे गंभीरता से समझना होगा और हर व्यक्ति को जनहित व देशहित में पौधारोपण करने का संकल्प लेना होगा।

# जी. बी. पंत हॉस्पिटल सीएण्डडी यूनियन के हुए चुनाव संपन्न

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली जी. बी. पंत हॉस्पिटल सीएण्डडी यूनियन (राजि.) की चुनाव प्रक्रिया में अस्पताल के समस्त कर्मचारियों ने अपना वोट देकर विकास सारस्वत और रविंद्र कुमार को भारी बहुमत से विजयी बनाया। उक्त जानकारी एनपीएचए के अध्यक्ष विजय कुमार ने दी। उन्होंने आगे बताया कि इस चुनाव में ग्रुप सी-डी के 466 कर्मचारियों ने मतदान किया। चुनाव अधिकारी फिरोज खान द्वारा विकास सारस्वत को अध्यक्ष और रविन्द्र कुमार को महासचिव पद के लिए विजयी घोषित किया गया। कार्यकारिणी



में घोषित सदस्य उपाध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार, मुकेश कुमार, धरमजीत, निरंकर सिंह, महेंद्र कुमार तथा सहसचिव पद पर आशीष डोगरा, लोकेश कुमार,



गया। चुनाव अधिकारी की घोषणा के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष विकास सारस्वत ने अपनी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी और कर्मचारियों को संबोधित करते



हुए कहा कि मैं कर्मचारियों की हर समस्या को ध्यान से सुनने, उसे यूनियन के समक्ष निवारण हेतु लाने और उस पर सकारात्मक हल निकालने के लिए अपनी टीम के साथ एकजुट होकर समाधान करने के लिए कटिबद्ध रहूंगा और कर्मचारियों के रुके हुए कामों को जल्द पूरा कराऊंगा। एनपीएच दिल्ली के

अध्यक्ष विजय कुमार ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा कि आज सरकार/प्रशासन यूनियनों को खत्म करने के नए-नए तरीके अपना रहा है। सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों जैसे आउटसोर्सिंग, निजीकरण, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी जैसी नीतियों के खिलाफ एकजुट यूनियन और कर्मचारियों का एकजुट होना बहुत जरूरी है। रिक्त पड़े पदों को भरा नहीं जा रहा है, कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो रही है जिसके कारण काम का बोझ बढ़ रहा है। सभी कर्मचारी यूनियनों को सरकार और प्रशासन की नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर, रणनीति बनाकर उनका सामना करते हुए आंदोलन की राह पर चलना होगा।



